समुद्री मात्स्यिकी को बढ़ावा देने हेतु सागरीय रेन्चिंग पहल

स्रोत: द हिंदू

केरल मत्स्य विभाग ने **सतत् मात्स्यिकी** को बढ़ावा देने के लिये तिरुवनंतपुरम के तट पर एक **सागरीय रेन्चिंग पहल** शुरू की है।

- समुद्री रेंचिंग या महासागरीय रेंचिंग, मत्स्य पालन का एक प्रकार है, जिसमें युवा मछलियों को बिना किसी संरक्षण या सहायता के प्राकृतिक रूप से वृद्धि के लिये **समुद्र में छोड़** दिया जाता है, उसके बाद उनका शिकार किया जाता है।
- **समुद्री मत्स्य संसाधनों के पुनः भरण के उद्देश्य से तिरुवनंतपुरम तट के 10 स्थानों पर 10 लाख पोम्पानो और कोबिया फिंगरलिंग्स (समुद्री मछली प्रजातियाँ)** छोड़ी जाएंगी।
- यह परियोजना **प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना** (**PMMSY**) के अंतर्गत **कृत्रिम चट्टान पहल का अनुसरण करती है, जिसका उद्देश्य** समुद्री जैवविविधता में वृद्धि करना है।
  - **तिरुवनंतपुरम में 42 स्थानों** पर स्थापित **कृत्रिम चट्टानों** ने **ट्यूना, ट्रेवल्ली और मैकेरल** जैसी विभिन्न मछली प्रजातियों को आकर्षित किया है।
- परियोजना के भावी चरणों में केरल के **96 गाँवों तक कृत्रिम भित्तियों का विस्तार करने का प्रस्ताव है।**
- PMMSY को मत्स्य पालन विभाग, मात्स्यिकी, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय द्वारा भारत के मत्स्य पालन क्षेत्र के **पारिस्थितिक रूप से स्वस्थ, आर्थिक रूप से व्यवहार्य एवं सामाजिक रूप से समावेशी विकास के लिये शुरू किया गया था।**

//

और पढ़ें: [प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sea-ranching-initiative-to-boost-marine-fisheries